# समाचार वाणी
**ख़बर जो करें असर !**

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026


# अब बदल गया रेलवे मे टिकट रिजर्वेशन सिस्टम, जानिए नया एंटी-बॉट फीचर और डिजिटल अपडेट।


Publisher


Published on 05 Jun 2025

## रेलवे का नया टिकटिंग सिस्टम : एक मिनट मे बुंक हुए 31,814 टिकट, बॉट्स को किया गया ब्लॉक।

**नई दिल्ली :** भारतीय रेलवे ने **डिजिटल आधुनिकीकरण** और **एंटी-बॉट सिस्टम** के तहत टिकट बुकिंग प्रक्रिया में एक बड़ा बदलाव किया है। अब एक मिनट में **31,814 टिकट बुकिंग का रिकॉर्ड** बनाकर रेलवे ने नई प्रणाली की सफलता का प्रदर्शन किया है।

रेल मंत्रालय के अनुसार, यह बदलाव **22 मई 2025** को **लाइव हुआ**, और तब से **टिकट बुकिंग प्रक्रिया** और **तेज, सुरक्षित** और **उपयोगकर्ता-केंद्रित** हो गई है।

रेलवे की नई **टिकटिंग प्रणाली** में क्या है खास ?
१. **AI-बेस्ड एंटी-बॉट सिस्टम**
रेलवे ने एक **एडवांस्ड AI-बेस्ड बॉट मिटिगेशन सॉल्यूशन** लागू किया है, जो दुर्भावनापूर्ण **बॉट ट्रैफिक** को पहचान कर ब्लॉक करता है। इसका उद्देश्य जेन्युइन यूज़र्स के लिए टिकट बुकिंग को आसान और निष्पक्ष बनाना है।

२. **बेहतर यूजर अनुभव**
**तेज बुकिंग स्पीड**
**सरल इंटरफेस**

**समान अवसर –** अब एजेंट्स और सामान्य यात्रियों को बराबरी की पहुंच

३. **बॉट ट्रैफिक मे भारी कमी**

तत्काल टिकट बुकिंग के समय वेबसाइट पर लॉगिन करने की कोशिशों में **जो 50% ट्रैफिक बॉट्स** से आता था, उसे काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है।

**डिजिटल अपडेट और रेलवे की नई पहले**

**2.5 करोड़ संदिग्ध यूजर आईडी निष्क्रिय**

रेलवे ने **संदिग्ध** और **फर्जी यूजर आईडी** पर सख्ती बरतते हुए **2.5 करोड़** से अधिक अकाउंट्स को बंद कर दिया है।

**आधार आधारित सत्यापन अनिवार्य**

अब प्रीमियम तत्काल और तत्काल टिकट आधार सत्यापित यूजर ही बना पाएंगे, और बिना सत्यापन वाले यूजर केवल पंजीकरण के 3 दिन बाद ही बुकिंग कर सकेंगे।

**रेलवे की डिजिटल सफलता के आंकड़े**

| **संकेतक** | **2023-24** | **2024-25** | **बढ़ोत्तरी** |
|---|---|---|---|
| डेली यूजर लॉगिन | 69.08 लाख | 82.57 लाख | 19.53% |
| डेली टिकट बुकिंग | – | – | 11.85% |
| ई-टिकटिंग हिस्सेदारी | – | 86.38% | उच्चतम स्तर |

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.